

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 755-एक/13

जिला मन्दसौर

शिरव्यासे / नन्दकिशोर

मर्गवाही तथा आदेश

स्थान तथा दिनांक

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों के
हस्ताक्षर

16-03-15

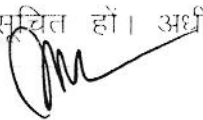
यह निगरानी ग0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे केवल संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के अन्तर्गत अपर आयुक्त, उज्जैन संभाग, उज्जैन के अपील प्रकरण क्रमांक 677/11-12 में पारित आदेश दिनांक 09-01-2013 से असन्तुष्ट होकर प्रस्तुत की गयी है।

2/ मैने अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेखों का अवलोकन किया तथा निगरानी में उठाये गये मुद्दों पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया। अनावेदक के भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि पर आवेदकगण का अवैध आधिपत्य सीमांकन में पाये जाने से आधिपत्य दिलाने हेतु अनावेदक द्वारा संहिता की धारा 250 के अन्तर्गत आवेदनपत्र तहसील न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। यह आवेदनपत्र तहसील न्यायालय ने इस आधार पर अमान्य किया है कि सीमांकन प्रतिवेदन एवं पंचनामों में आवेदक की कौन-सी भूमि के किस भाग पर किस दिशा में किस-किस का अवैध आधिपत्य है, यह अंकित नहीं है। अनावेदक के भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि का सीमांकन राजस्व निरीक्षकों के गठित दल द्वारा किया गया है। सीमांकन प्रतिवेदन की कण्डिका 14 में किस

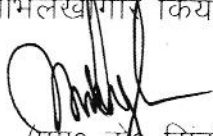


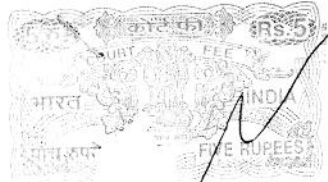
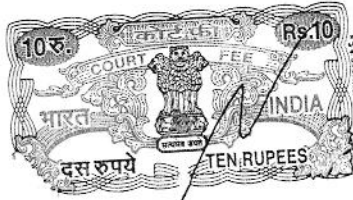
व्यक्ति का किस सर्वे नम्बर पर कब्जा है, यह दर्शाया गया है तथा सीमांकन के साथ नक्शा भी प्रस्तुत किया गया है जिसमें अतिक्रमिक भाग को लाल-स्याही से दर्शाया गया है। राजस्व निरीक्षकों के दल द्वारा किये गये सीमांकन को आवेदकगण द्वारा सक्षम न्यायालय में चुनौती दिये जाने का कोई प्रमाण अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख में नहीं है। विद्वान अपर आयुक्त ने अपने आदेश में तहसीलदार को प्रश्नाधीन भूमि का स्वयं स्थल निरीक्षण कर नक्शे में लालस्याही से दर्शित अतिक्रमिक भूमि पर से अतिक्रमकों के कब्जे से मुक्त कराने के आदेश दिये हैं। लालस्याही से दर्शित प्रश्नाधीन भूमि पर आवेदकगण का कब्जा किस आधार पर विधि-संगत है, इस संबंध में कोई सन्तोषजनक तर्क निगरानी में नहीं उठाया गया और ना ही इस संबंध में कोई प्रमाण अधीनस्थ न्यायालयों में प्रस्तुत किया गया है। भूमिस्वामी द्वारा अपने स्वत्व की भूमि का संहिता की धारा 129 के अन्तर्गत विधिवत सीमांकन कराया गया है और सीमांकन में पाये गये अवैध आधिपत्य का कब्जा वापिस प्राप्त करने का अधिकार अनावेदक को है। ऐसी दशा में विद्वान अपर आयुक्त के आदेश में निगरानी में हस्तक्षेप करने का समुचित आधार नहीं है।

3/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी आवेदन खारिज किया जाता है। अपर आयुक्त का आदेश दिनांक 09-01-13 यथावत रखा जाता है। पक्षकार सूचित हों। अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख



आदेश की प्रति के साथ वापिस किये जायें तथा राजस्व मण्डल का अभिलेख दाखिल अभिलेखीगार किया जाय।


(एम० के० सिंह)
सदस्य



न्यायालय:-माननीय राजस्व मण्डलम.प., ग्वालियर

प्रकरण -

R 755-II/13

- 1-गिरधारी पिता बगदु चमार, आयु - वयस्क
 - 2-धुरा पिता शम्भु, चमार, आयु - वयस्क
 - 3-छुमान पिता भंवर वागरी, आयु - वयस्क
 - 4-भगवान पिता कालुराम डांगी, आयु - वयस्क
 - 5-बाबु छाा पिता यासीन छाा, आयु - वयस्क
 - 6-नरसिंह पिता बगदीराम बागरी, आयु - वयस्क
 - 7-मोहनबाई पीत राधेश्याम चमार, आयु - वयस्क
- सभी निवासीगण - कवनारा, तहसील- सीतामऊ,
जिला मन्दसौर म.प्र.

----- निगरानीकर्ता

बनाम

नन्दकिशोर पिता जगदीश अर्ज वासुदेव, आयु 65 साल,
धंधा कृषि, निवासी- मन्दसौर, जिला मन्दसौर
हा.मु.0- रेतीडेंसी पेरिया इन्व्मटेक्स कालोनी इन्दौर
द्वारा मु.0आम - अशिलेश पिता गोपालकृष्ण शर्मा,
आयु 35 साल, धंधा - व्यापार, निवासी- मन्दसौर
जिला मन्दसौर म.प्र.

----- विपक्षी

निगरानी अर्न्तगत धारा 50 म.प्र.भु.रा.सीहता

अपर आयुक्त उज्जैन, संभाग उज्जैन द्वारा द्वितीय अपील क्रमांक-
677/11-12/अपील, मे पारित आदेश दिनांक 09-01-2013
के विरुद्ध ।

माननीय महोदय,

निगरानीकर्ता की निगरानी निम्नवत प्रस्तुत है कि :-

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण :-

// = = = = = //

-यहकि विपक्षी/आवेदक ने सीमांकन करवाकर नायब तहसीलदार

S
Chaturvedi
22/02/2013

चतुर्वेदी अर्जि
22/2/13

प्रस्तुत
22/2/13